शहर के कचरे से बन सकती है 25-30 मेगावाट बिजली

पटना। पटना के कचरे से 25-30 मेगावाट बिजली बन सकती है। यह जानकारी नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव शशिशेखर शर्मा ने दी। उन्होंने कहा कि पटना से प्रत्येक दिन 1000 मीट्रिक टन कचरा निकल रहा है। उन्होंने कहा कि कचरा प्रबंधन में जुटी एजेंसी से उनका अनुरोध होगा कि ये इस कचड़े से बिजली पैदा करने की योजना पर काम करें। यहां जितना कचरा है, उससे कम से कम 25 मेगावाट बिजली पैदा हो सकती है। अन्य शहरों में तो कचरे से 50-50 मेगावाट बिजली पैदा हो रही है। पर, पटना में यह क्षमता अभी कम है। उनके अनुसार यह योजना पिछले कई वर्षों से कार्यान्वयन की प्रतीक्षा में है। अब नए परिवेश में पटना के बैरिया में जहां कचरा निष्पादन केन्द्र बना है, वहां बिजलीघर स्थापित हो सकता है। **हिब्यू**